

## **Bachelor of Arts (General) - Hindi Medium**

Semester 1/ सेमिस्टर- १

Subject Name	Subject Name
Foundation Course in Language-I	फाउंडेशन कोर्स इन लैंग्वेज- १
Behavioural Science-I	बिहेवियरल साइंस- १
Introduction to Society	इंट्रोडक्शन टू सोसाइटी
Business Communication	बिज़नेस कम्युनिकेशन

सेमिस्टर- २

Subject Name	Subject Name
Foundation Course in Language- II	फाउंडेशन कोर्स इन लैंग्वेज- २
Business Organization and Management	बिज़नेस आर्गनाइजेशन एंड मैनेजमेंट
Social Problems	सोशल प्रोब्लेम्स
Environmental Studies	इन्वाइरमेंटल स्टडीज

सेमिस्टर- ३

Subject Name	Subject Name
Democracy and Governance in India	डेमोक्रेसी एंड गवर्नेंस इन इंडिया
Social Research Methods	सोशल रिसर्च मेथॉड्स
Social Psychology	सोशल साइकोलॉजी
INDIVIDUAL EXCELLENCE AND SOCIAL DYNAMIC	इंडिविजुअल एक्सीलेंस एंड सोशल डायनमिक

सेमिस्टर- ४

Subject Name	Subject Name
History, Culture and Society	हिस्ट्री , कल्चर एंड सोसाइटी
Media & Society	मीडिया एंड सोसाइटी
Computer Applications	कंप्यूटर ऐप्लिकेशन्स
Economic Theory and Applications	इकोनोमिक थिओरी एंड ऐप्लिकेशन्स

सेमिस्टर- ५

Subject Name	Subject Name
Introduction to Political Sciences	इंट्रोडक्शन टू पोलिटिकल साइंसेज
Foundation of Social Thought	फाउंडेशन ऑफ सोशल थॉट्स
Society in India- Structure and Change	सोसाइटी इन इंडिया - स्ट्रक्चर एंड चेंज

Subject Name	Subject Name
Health and Society	हेल्थ एंड सोसाइटी
Gender and Development	जेंडर एंड डेवलपमेंट
Creative Writing in English(UG)Syllabus	क्रिएटिव राइटिंग इन इंग्लिश
Major Project	मेजर प्रोजेक्ट

## **SYLLABUS**

### **Semester I**

#### **बिहेवियरल साइंस - I**

##### **पाठ्यक्रम के उद्देश्य:**

- अपने 'स्वयं' को समझना और ढूंढना
- प्यार, सम्मान, विश्वास और सब से ऊपर अपने 'स्वयं' को स्वीकार करने का महत्व
- आंतरिक और बाहरी वातावरण को नियंत्रित करना
- सफल मानव संबंध के निर्माण का कौशल एवं अस्वस्थ व्यवहार

##### **सिखने का परिणाम:**

पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र

- आत्म और आत्मसम्मान पर समग्र समझ हासिल करेंगे
- दृष्टिकोण, इसके महत्व और विशेषताओं पर ज्ञान प्राप्त करेंगे
- प्रभावी सुनने पर अंतर्दृष्टि प्राप्त करेंगे
- समायोजन और कुसमायोजन के लक्षणों पर ज्ञान प्राप्त करें

##### **पाठ्यक्रम**

##### **मॉड्यूल- I: आत्म और आत्मसम्मान को समझना**

स्वयं का महत्व, आत्म-संकल्पना, आत्म-स्वीकृति, आत्म-प्रभावकारिता और आत्म सम्मान, आत्म-संकल्पना के निर्माण में आत्म-जागरूकता का महत्व, आत्मसम्मान के दोहरे स्तंभ, आत्मसम्मान के घटक, एक सकारात्मक आत्मसम्मान का निर्माण

##### **मॉड्यूल- II: रवैया और भावनात्मक बुद्धि**

रवैया: उसकी परिभाषा, विशेषताएं, उसके घटक, अंश, उसका प्रयोग, उसकी उत्पत्ती, विभिन्न प्रकार ।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता - भावना क्या है, भावनात्मक बुद्धिमत्ता की परिभाषा, भावनात्मक बुद्धिमत्ता के प्रयोग, भावनाओं का बदलना, आत्म-ज्ञान और पारिवारिक प्रतिमान ।

### **मॉड्यूल- III: प्रभावी सुनना**

प्रभावी सुनने क्या है, प्रभावी सुनने के महत्व, प्रभावी सुनने और सुनने के बीच का अंतर, प्रभावी सुनने में बाधाएं, सुनने की प्रक्रिया, सुनने के प्रकार, रणनीतिक युद्धाभ्यास, अच्छा सुनने के सकारात्मक अर्थ, अच्छा सुनने के लिए अनिवार्य, सुनने की प्रक्रिया में बाँधक ।

### **मॉड्यूल- IV: व्यवहार समायोजन**

समायोजन, कुसमायोजन के लक्षण, व्यवहार के प्रकार, मुखरता का अधिकार, संघर्षों को संभालना ।

### **मॉड्यूल- V: तनाव प्रबंधन**

तनाव को परिभाषित करना, तनाव के प्रकार, तनाव की प्रक्रिया, तनाव के सामान्य लक्षण, व्यावसायिक तनाव, तनाव के कारण, सांकेतिक व्यवहार, मुकाबले की शैलियों या रणनीतियों, मुकाबले की रणनीतियों: अवधारणा, मुकाबला रणनीतियों के आयाम, मुकाबला रणनीतियों के प्रकार ।

### **पाठ और संदर्भ:**

- एडीएचडी, स्ट्रेस एंड डेवलपमेंट, लेखक: बॉब, पेट्र, कोनिकारोवा, जना
- मोटिवेशनस एंड एक्शन्स, संपादक: हेखौसेन, जट्टा, हेखौसेन, हैंज (एड्स)
- बिहेवियरल साइंस आभा सिंह, रजनी आर्य

## **FOUNDATION COURSE IN LANGUAGE-I**

### **Module I**

Composition,

Sentence Structure, Use of Words, Paragraph Writing

Comprehension

Good Manners, The Conjuror's Revenge, Structure and Usage, The Home Coming, My Last Will and Testament

### **Module II**

Vocabulary Building in English

Useful Words for Expressing Ideas, Opinions and Emotions, Single Words for Phrases or Sentences, Derivations: Root Words, Prefixes and Suffixes

Antonyms and Synonyms, Nationality Words: Names of Countries and People

Essay and Business Letter Writing

Writing an Essay, Business Letters

### **Module III**

## Short Stories

- The Necklace- Guy de Maupassant
- The Last Leaf- O. Henry
- The Postmaster- Rabindranath Tagore
- The Luncheon- William Somerset Maugham
- The Fly- Katherine Mansfield

## Poetry

- Kamla Das- An Introduction
- The Road Not Taken- Robert Frost
- The Cloud- William Wordsworth

## Module IV

### Drama

Riders to the sea- J.M. Synge

## Module V

### Rhetoric

Rhetorical devices- Alliteration, Analogy, Epithet, Hyperbole, Metaphor, Metonymy, Oxymoron, Simile

### Common Errors in English

Adjective and Adverbs (Confused), Errors in the use of Adjectives and Adverbs, Punctuation and Capitalization

### Text & References:

- A Applied English Grammar : A. J. Thomson & A. V. Martinet (Oxford University Press)

## इंट्रोडक्शन टू सोसाइटी

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

- छात्रों को समाज से जुड़ी विभिन्न अवधारणाओं और मामलों को समझने में सहायता करना कोर्स का उद्देश्य है ।
- इसका उद्देश्य समाजशास्त्रीय कल्पना को दुनिया के बारे में सोचने के तरीके के रूप में पेश करना है।
- इस पाठ्यक्रम की सामग्री सामाजिक समस्याओं को हल करने और सार्वजनिक नीति तैयार करने में रुचि रखने वाले शिक्षकों, योजनाकारों, कानून निर्माताओं, डेवलपर्स और व्यापार जगत के नेताओं की मदद कर सकती हैं

## सिखने का परिणाम:

पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र

- समाज और सामाजिक संस्थाओं की अवधारणा को समझा सकेंगे
- सामाजिक व्यवस्था के सिद्धांतों का वर्णन कर सकेंगे
- सामाजिक संपर्क के कौशल का प्रदर्शन कर सकेंगे
- जाति और वर्ग में समाज के स्तरीकरण का विश्लेषण कर सकेंगे

## पाठ्यक्रम

### मॉड्यूल - I: समाज, समुदाय, संघ और संस्थान

समाज, समुदाय, संघ, संस्थाएं: अर्थ, विशेषताएं और मतभेद।

### मॉड्यूल - II: सामाजिक समाज और सामाजिक संरचना

सामाजिक व्यवस्था, सामाजिक संरचना; सामाजिक संरचना के तत्व, सामाजिक समारोह की अवधारणा, सामाजिक समूह, सामाजिक परिवर्तन।

### मॉड्यूल - III: संस्कृति और समाजीकरण

संस्कृति, उसकी विशेषताओं और कार्य; समाजीकरण और समाजीकरण की प्रक्रियाएं, समाजीकरण के प्रकार, सामाजिक प्रक्रियाएं: धारणाएं और सामाजिक संपर्क के प्रकार।

### मॉड्यूल - IV: आधुनिकीकरण

अर्थ, आधुनिकीकरण के अनुकूल कारक, आधुनिकीकरण में बाधाएँ, आधुनिकीकरण के सिद्धांत: अभिसरण सिद्धांत और विश्व प्रणाली सिद्धांत।

### मॉड्यूल - V: सामाजिक स्तरीकरण

सामाजिक स्तरीकरण: अर्थ और विशेषताएं, सामाजिक स्तरीकरण की उत्पत्ति, सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक गतिशीलता; सामाजिक स्तरीकरण का कार्य, जाति और वर्ग, सामाजिक गतिशीलता के पहलु ।

## पाठ और संदर्भ:

- श्रीवास्तव पी. (1990): सोशल एक्शन एंड सोशल चेंज, प्रकाशन: अजंता प्रकाशन, नई दिल्ली
- एस (2003): सोशल डेवलपमेन्ट एंड सोशल पालिसी, रावत प्रकाशन, नई दिल्ली
- आर एंड विद्याभूषण (1997): इंटरैक्शन तो सोशियोलॉजी, प्रकाशन: किताब महल, नई दिल्ली
- देसाई ए.आर. (1994): रूरल सोशियोलॉजी इन इंडिया, पॉपुलर प्रकाशन, नई दिल्ली
- टी.बी. 1972, सोशियोलॉजी: ए गाइड टु प्रोब्लेम्स एंड लिटरेच. बंबई: जॉर्ज एलन और अनविन (भारत):
- हरलम्बोस म. 1998. सोशियोलॉजी : थीम्स एंड पर्सपेक्टिव्स. नई दिल्ली ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस

## **Module I: Essential English Grammar**

Tenses, Subject-verb Agreement, Punctuation, Sentence Structure, Common Errors in English, Foreign Words

## **Module II: Written English Communication**

Essay Writing, Precis Writing, Summarising, Paraphrasing

## **Module III: Concept and Nature of Communication**

What is Communication?, Stages of communication: Ideation, Encoding, Transmission, Decoding and Response, Channels of Communication: Downward, Upward, Horizontal and Diagonal, Communication in Organization setting: Internal and External, Barriers to Effective Communication, Guidelines to overcome communication barriers, The Listening Process, Listening with a Purpose, Barriers to Listening, Effective Listening Strategies, Defining Non-verbal communication, Functions of non-verbal communication, Gesture cluster, Acoustic Features

## **Module IV: Effective Presentation**

Pre-Presentation Jitters, Preparation and Practice, Delivering the presentation, Qualities of a skillful presenter, Capturing and maintaining attention, Handling questions, Power-Point presentation, Netiquette, Professional profiles, Blogs, Letters, Emails, Memo, Notices

## **Module V: Employment Communication**

Functions of report, Types of report, The report/proposal process, Organizing the report/proposal, Resume writing, Group Discussion, Qualities/Skills assessed in group discussion, Do's and Don't's in a group discussion, Effective participation in group discussion, Mock GD sessions

### **Text & References:**

- Business Communication K. K. Sinha
- Business Communication: Theory and Application: Lesikar and Pettit
- Effective Communication: Adair, John
- **Successful Communication in Business: Pryse, B. Elizabeth**

## **Semester II**

### **बिजनेस आर्गनाइजेशन एंड मैनेजमेंट**

#### **पाठ्यक्रम के उद्देश्य :**

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संगठन और प्रबंधन के सिद्धांतों और प्रथाओं की समझ प्रदान करना है।

- यह कोर्स छात्रों को मौलिक प्रबंधन सिद्धांतों और उनके विकास को समझने में सक्षम बनाता है।
- यह शिक्षार्थियों को संगठनात्मक वातावरण के तत्वों की पहचान करने और संसाधनों का प्रबंधन करने में सक्षम बनाता है।
- यह एक संगठन के भीतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में मदद करता है।

### **सिखने का परिणाम :**

यह कोर्स मदद करता है:

- योजना, आयोजन और नियंत्रण के प्रबंधकीय कार्यों को लेने के लिए वैश्विक संदर्भ का मूल्यांकन करने में।
- वैश्विक स्थिति का आकलन करने में, जिसमें अवसर और खतरे शामिल हैं जो किसी संगठन के प्रबंधन को प्रभावित करेंगे।
- प्रबंधन सिद्धांतों को प्रबंधन प्रथाओं में एकीकृत करने में।
- नैतिक सिद्धांतों और मानकों के सापेक्ष प्रबंधकीय प्रथाओं और विकल्पों का आकलन करने में।
- बताने में की कैसे योजना, आयोजन, और नियंत्रण के प्रबंधकीय कार्यों को विभिन्न परिस्थितियों में निष्पादित किया जा सकता है ।
- विशिष्ट स्थितियों में लेने के लिए सबसे प्रभावी कार्रवाई निर्धारित करने में।
- विविधता के मुद्दों को संबोधित करने के लिए विभिन्न तरीकों का मूल्यांकन करने में।

### **पाठ्यक्रम:**

#### **मॉड्यूल - I व्यापार का परिचय:**

व्यापार फर्मों - संगठन के रूप - सोल प्रोप्राइटर, साझेदारी, संयुक्त-हिंदू परिवार, संयुक्त स्टॉक कंपनी, सहकारी संगठन - सार्वजनिक उद्यम, बीपीओ, ई-कॉमर्स और एम-कॉमर्स।

परिचय - प्रबंधन का अर्थ, प्रकृति और विशेषताएं - उसके दायरे और कार्यात्मक क्षेत्र - प्रबंधन और नैतिकता की सामाजिक जिम्मेदारी।

#### **मॉड्यूल- II: योजना**

योजना की प्रकृति, महत्व और उद्देश्य - योजना की प्रक्रियाएं, उनके उद्देश्य - योजनाओं के प्रकार (केवल अर्थ) - निर्णय लेने के कदम और उनके महत्व ।

#### **मॉड्यूल- III: आयोजन एवं स्टाफिंग**

संगठन की प्रकृति और उद्देश्य, संगठन के सिद्धांत - संगठन के प्रकार - विभागीय, समितियां - केंद्रीकरण बनाम अधिकार और उत्तरदायित्व का विकेंद्रीकरण - नियंत्रण की अवधि - एमबीओ और एमबीई (केवल अर्थ) - स्टाफिंग की प्रकृति और महत्व - चयन और भर्ती की प्रक्रिया (संक्षिप्त में) - भर्ती में रखना (प्रशिक्षण एवं मुआवजा)।

#### **मॉड्यूल- VI: निर्देशन**

निर्देशन का अर्थ और प्रकृति - नेतृत्व शैली - प्रेरणा सिद्धांत (मास्लो, हर्जबर्ग, मैकग्रेस एक्स एंड वाई थ्योरी), आउची का सिद्धांत- संचार का अर्थ और महत्व, संचार में बाधाएं, संचार के प्रकार - समन्वय का अर्थ और महत्व।

### **मॉड्यूल- V: नियंत्रण**

नियंत्रण का अर्थ और कदम - एक ध्वनि नियंत्रण प्रणाली के अनिवार्य - नियंत्रण स्थापित करने के तरीके (संक्षेप में) - बैलेंस स्कोर कार्ड, आर्थिक मूल्य एडेड, बाजार मूल्य एडेड. परिप्रेक्ष्य में प्रबंधन, बदलाव प्रबंधन, ज्ञान प्रबंधन, शिक्षण संगठन, विविधता का प्रबंधन, कॉर्पोरेट गवर्नेंस।

### **पाठ और संदर्भ:**

- कूटज्ञ और ओ डोनेल, मैनेजमेंट ।
- ड्रकर, पीटर: मैनेजमेंट टास्कस, रेस्पॉनबिलिटीज़ एंड प्रैक्टिसेज
- बसु, "बिजनेस ऑर्गनाइजेशन एंड मैनेजमेंट", टाटा मैकग्रॉ हिल, नई दिल्ली
- सीएम शुक्ला: "बिजनेस ऑर्गनाइजेशन एंड मैनेजमेंट", एस चांद
- रुस्तम और दावन, प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिसेज ऑफ मैनेजमेंट।
- जगदीश प्रकाश: बिजनेस ऑर्गनाइजेशन एंड मैनेजमेंट
- न्यूमैन, एच विलियम ग्रीष्मकालीन, आदि: थी प्रोसेस ऑफ मैनेजमेंट

## **FOUNDATION COURSE IN LANGUAGE-II**

### **Course Objectives:**

This course intends to familiarize you with:

- Composition and comprehension writing
- Vocabulary building in English
- Essay and business letter writing
- Understanding of various genres of literature
- Detecting common errors in English
- Developing rhetoric narrative

### **Learning Outcome:**

This course helps:

- Composition and comprehension writing
- Vocabulary building in English
- Essay and business letter writing
- Understanding of various genres of literature
- Detecting common errors in English
- Developing rhetoric narrative.



## Syllabus

### Block I: Introduction to Effective Written Communication

Define significance of writing skills for professional enhancement, Characteristics of writing skills, avoiding common errors, Paragraph Writing, Note Taking, Writing Assignments

### Block II: Business Letters

Significance of business letters, Different types of business letters and formats of a business letter

### Block III: Communication at Office

Different types of official documents – Agenda and Minutes, Notice and Circulars, Memorandums, Meetings, Negotiation skills, Telephonic skills, Presentation skills-4P's of a Presentation skills-Planning, Preparing, Practice and Presenting

### Block IV: Report Writing

Introduction to Report writing, Significance of report writing, Different types of reports, Different parts of a report writing

### Block V: Social Communication Skills

Introduction to social communication, Context based speaking

### Text and References:

- Basu, “ Business organization and management”, Tata McGraw Hill , New Delhi
- K.K.Sinha , Business Communication, Galgotia Publishing Company.
- Rai, Urmila & S.M. Rai. Business Communication, Mumbai: Himalaya Publishing House, 2002.
- Raman Prakash, Business Communication, 2nd ed. Delhi OUP 2006
- Rizvi, M.Ashraf. Effective Technical Communication. New Delhi: Tata McGraw Hill, 200
- Sharma, R.C. & Krishna Mohan. Business Correspondence and Report Writing: A Practical approach to Business & Technical Communication, New Delhi: Tata McGraw Hill & Co. Ltd., 2002.

## इन्वाइरमेंटल स्टडीज

- **मॉड्यूल I: पर्यावरण अध्ययन और प्राकृतिक संसाधनों की बहु-विषयक प्रकृति**
- पर्यावरण अध्ययन की बहु-विषयक प्रकृति
- पर्यावरण अध्ययन का परिचय, परिभाषा और महत्व, जन जागरूकता की आवश्यकता, संवेदीकरण और भागीदारी
- 
- प्राकृतिक संसाधन
- 1. प्राकृतिक संसाधनों के प्रकार, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में एक व्यक्ति की भूमिका, स्थायी जीवन शैली के लिए संसाधनों का समान उपयोग।

- 2. भूमि संसाधन: एक संसाधन के रूप में भूमि, भूमि क्षरण, मानव प्रेरित भूस्खलन, भूमि संसाधन: मिट्टी का कटाव और मरुस्थलीकरण।
- 3. प्राकृतिक संसाधन: वन संसाधन: उपयोग और अधिक दोहन, वनों की कटाई, केस स्टडी। इमारती लकड़ी निष्कर्षण, खनन, बांध और वनों और जनजातीय लोगों पर उनके प्रभाव।
- 4. प्राकृतिक संसाधन: जल संसाधन: सतह और भूजल का उपयोग और अधिक उपयोग, बाढ़, सूखा, पानी पर संघर्ष, बांध-लाभ और समस्याएं।
- 5. प्राकृतिक संसाधन: खनिज संसाधन: उपयोग और दोहन, खनिज संसाधनों के निष्कर्षण और उपयोग के पर्यावरणीय प्रभाव, केस स्टडी।
- 6. प्राकृतिक संसाधन: खाद्य संसाधन: विश्व खाद्य समस्याएं, कृषि और अतिचारण के कारण परिवर्तन, आधुनिक कृषि के खाद्य संसाधन प्रभाव, उर्वरक कीटनाशक समस्याएं, जल जमाव, लवणता, केस स्टडी।
- 7. प्राकृतिक संसाधन: ऊर्जा संसाधन: ऊर्जा की बढ़ती जरूरतें, ऊर्जा संसाधन नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, ऊर्जा संसाधन वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का उपयोग, केस स्टडी।
- 8. प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में व्यक्ति की भूमिका
- 9. टिकाऊ जीवन शैली के लिए संसाधनों का समान उपयोग।

## • **मॉड्यूल II: पारिस्थितिकी तंत्र**

- 1. एक पारिस्थितिकी तंत्र की अवधारणा,
- 2. पारिस्थितिकी तंत्र के प्रकार,
- 3. एक पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना और कार्य, उत्पादक, उपभोक्ता और डीकंपोजर।
- 4. पारिस्थितिकी तंत्र में ऊर्जा प्रवाह, खाद्य श्रृंखला, खाद्य जाल और पारिस्थितिक पिरामिड।
- 5. पारिस्थितिक उत्तराधिकार।
- 6. परिचय, प्रकार, विशिष्ट विशेषताएं, वन पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना और कार्य, घास के मैदान पारिस्थितिकी तंत्र और रेगिस्तानी पारिस्थितिकी तंत्र, जलीय पारिस्थितिक तंत्र (तालाब, धाराएं, झीलें, नदियाँ, महासागरीय मुहाना)

## • **मॉड्यूल III: पर्यावरण प्रदूषण**

- परिभाषा कारण, प्रभाव और नियंत्रण के उपाय:- a. वायु प्रदूषण B. जल प्रदूषण ग. मृदा प्रदूषण D. समुद्री प्रदूषण ई. ध्वनि प्रदूषण एफ. ऊष्मीय प्रदूषण जी. परमाणु खतरे ठोस अपशिष्ट प्रबंधन : शहरी और . के कारण, प्रभाव और नियंत्रण के उपाय
- औद्योगिक अपशिष्ट। प्रदूषण की रोकथाम में व्यक्ति की भूमिका। प्रदूषण मामले का अध्ययन। आपदा प्रबंधन: बाढ़, भूकंप, चक्रवात और भूस्खलन
- 
- **मॉड्यूल IV: सामाजिक मुद्दे और पर्यावरण और मानव जनसंख्या और पर्यावरण**
- सामाजिक मुद्दे और पर्यावरण
- सतत से सतत विकास के लिए पर्यावरण ऊर्जा से संबंधित शहरी समस्याएं जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, वाटरशेड प्रबंधन लोगों का पुनर्वास और पुनर्वास; इसकी समस्याएं और चिंताएं। केस स्टडीज पर्यावरण नैतिकता: मुद्दे और संभावित समाधान। जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, एसिड रेन, ओजोन परत की कमी, परमाणु दुर्घटनाएं और प्रलय।
- मामले का अध्ययन। बंजर भूमि का पुनरुद्धार। उपभोक्तावाद और अपशिष्ट उत्पाद। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम। वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम। जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम वन्यजीव संरक्षण अधिनियम वन संरक्षण अधिनियम पर्यावरण कानून के प्रवर्तन में शामिल मुद्दे। जन जागरूकता।
- मानव जनसंख्या और पर्यावरण
- जनसंख्या वृद्धि, राष्ट्रों के बीच भिन्नता। जनसंख्या विस्फोट - परिवार कल्याण कार्यक्रम। पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य। मानव अधिकार। मूल्य शिक्षा। एचआईवी/एड्स। महिला एवं बाल कल्याण। पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य में सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका। मामले का अध्ययन।
- 
- **मॉड्यूल v: जैव विविधता**
- 1. परिचय - परिभाषा: आनुवंशिक, प्रजाति और पारिस्थितिकी तंत्र विविधता
- 2. भारत का जैव-भौगोलिक वर्गीकरण
- 3. जैव विविधता का मूल्य: उपभोग्य उपयोग, उत्पादक उपयोग, सामाजिक, नैतिक सौंदर्य और विकल्प मूल्य
- 4. वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर जैव विविधता, भारत एक मेगा-विविधता वाले राष्ट्र के रूप में
- 5. जैव विविधता के हॉट-स्पॉट,
- 6. जैव विविधता के लिए खतरा: आवास की हानि, वन्यजीवों का अवैध शिकार, मानव वन्यजीव संघर्ष

- 7. भारत की लुप्तप्राय और स्थानिक प्रजातियां 8. जैव विविधता का संरक्षण: जैव विविधता का इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण
- 8. जैविक विविधता अधिनियम, 2002
- **पाठ और संदर्भ:**
- . गौबा धवन और बिष्ट पर्यावरण अध्ययन, चुनौतियां और समाधान एक त्वरित संग्रह।
- . सोमवंशी और धूपर, पर्यावरण अध्ययन के मूल सिद्धांत।
- . कौशिक और कौशिक, पर्यावरण अध्ययन के मूल सिद्धांत।
- . अस्थाना और अस्थाना, पर्यावरण अध्ययन की एक पाठ्यपुस्तक।

### सोशल प्रोब्लेम्स

#### **पाठ्यक्रम के उद्देश्य:**

- छात्रों को विभिन्न सामाजिक मुद्दों और समस्याओं से परिचित कराना
- विभिन्न दृष्टिकोणों का उपयोग करके छात्रों को सामाजिक मुद्दों और समस्याओं का विश्लेषण करने में सक्षम बनाना
- भारत में सामाजिक समस्याओं की बदलती प्रकृति से छात्रों को परिचित कराना।

#### **सिखने का परिणाम:**

पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र

- सामाजिक समस्याओं पर लागू बुनियादी सैद्धांतिक दृष्टिकोण का वर्णन और समझें।
- सामाजिक समस्याओं को पहचानें और उन मुद्दों पर विश्लेषण प्रस्तुत करें जो समस्या विकसित हुई है।
- विभिन्न दृष्टिकोणों और दृष्टिकोणों से सामाजिक समस्याओं का मूल्यांकन करें और प्रत्येक रुख की ताकत और दोषों की पहचान करें।
- समझें कि सामाजिक समस्याएँ और उनकी प्रक्रियाएँ किस प्रकार परस्पर क्रिया करती हैं, और समाज में सामाजिक विषमताओं को बनाए रख सकती हैं।

#### **पाठ्यक्रम**

##### **ब्लॉक I: सोशल फ्रेमवर्क**

सामाजिक समस्याएँ: अर्थ, चरित्र, कारण और सामाजिक समस्याओं के प्रकार, सामाजिक समस्याओं के लिए सैद्धांतिक दृष्टिकोण, ग्रामीण और शहरी समस्याएँ, दृष्टिकोण और प्रतिमान, सामाजिक समस्याएँ और वर्तमान संदर्भ में सामाजिक रूपांतरण।

केस स्टडीज - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

##### **ब्लॉक II: वंचना और अलगाव के पैटर्न**

गरीबी और सामाजिक गतिशीलता, कार्य और बेरोजगारी, युवा पीढ़ी और शिक्षा, जाति असमानता और भेदभाव, लैंगिक असमानता और भेदभाव के पहलू - आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, अपराध और अपराधीता, अपराध महिलाओं - घरेलू हिंसा, यौन हिंसा, तस्करी, मादक पदार्थों की लत और शराब केस स्टडीज - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

### **ब्लॉक III: पहचान, गरिमा और सामाजिक न्याय**

युवा: पहचान और अलगाव, महिलाएं, वृद्धों की समस्याएं - आर्थिक, सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और स्वास्थ्य संबंधी, जातीयता, अल्पसंख्यक, अन्य पिछड़ा वर्ग, प्रवासन, जातिवाद, बहुसंस्कृतिवाद केस स्टडीज - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

### **ब्लॉक IV: सांप्रदायिकता और हिंसा**

सांप्रदायिकता की अवधारणा, सांप्रदायिक हिंसा, धर्मनिरपेक्षता, क्षेत्रीयकरण, भाषा संघर्ष, किशोर अपराध, अपराध - सफेद कॉलर अपराध, पर्यावरण से संबंधित अपराध, भ्रष्टाचार, राजनीति का अपराधीकरण, साइबर-अपराध और आतंकवाद। केस स्टडीज - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

### **ब्लॉक V: सामाजिक निर्माण में मुद्दे**

युवा और अपराध, युवा और सामाजिक व्यवस्था, युवाओं का सामाजिक निर्माण, युवा और राजनैतिक विघटन, जुआ, युवाओं की समस्याएं और मुद्दे, नशा और आत्महत्या, सामाजिक बुराई शराब, भिखारी, बंधुआ मजदूरी, बाल श्रम। केस स्टडीज - राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

**NOTE: Semester 3<sup>rd</sup> Semester Onwards course syllabus will be available soon**